वार्तालाप नं.478, सेलम (तमिलनाडु), दिनांक 01.01.08
Disc.CD No.478, dated 01.01.08 at Salem (Tamilnadu)

समय: 2.25-3.50

जिज्ञासु- भारत का अर्थ क्या है बाबा?

बाबा- भा माना रोशनी और रत माना लगे रहने वाला। जो सदैव रोशनी में लगा रहे। स्वयं भी रोशनी में रहे और दूसरों को भी रोशनी में लाता रहे। रोशनी माना ज्ञान की रोशनी। स्वयं भी ज्ञान की रोशनी में रत रहे। रत रहे माना लगा रहे, एन्गेज रहे और दूसरों को भी ज्ञान की रोशनी में लाता रहे उसको कहेंगे भारत। अंधेरा रत नहीं। क्या रत? भारत। और देश जो हैं वो ज्ञान की रोशनी में रहना इतना पसंद नहीं करते। धंधा-धोरी में ज्यादा रहते हैं। और धंधा-धोरी ज्यादा चलती है या ज्ञान की बातें ज्यादा चलती हैं? धंधा-धोरी में बहुत चलती है। तो वो सब है अज्ञान, अंधेरा। और भारत? भारत अभी कलियुग के अंत में भी आ गया। तो भी जानने की खोज में लगे रहते हैं- भगवान कहाँ है? भगवान को पाने की खोज में लगे रहते हैं। भगवान से ही ज्ञान मिलता है ज्ञान माना रोशनी। इसीलिए भारत नाम पड़ा है।

Time: 2.25-3.50

Student: Baba, what is the meaning of *Bhaarat*?

Baba: *Bha* means light and *rat* means the one who remains busy [in a particular task]. The one who always remains in light. He should be in light himself and also bring others into light. Light means the light of knowledge. He should remain *rat* in the light of knowledge himself; *rat* means to remain engaged [in the light of knowledge]; he should remain engaged [in the light of knowledge] and he should also bring others into light of knowledge; that one will be called *Bhaarat.* Not *andhera rat* (someone who is in darkness). What kind of '*rat*'? *Bhaarat*. Other countries do not like to be in the light of knowledge to that extent. They remain more engaged in business. Do they think more about the business or about the matters of knowledge? They think more about business. So, all that is ignorance, darkness. And what about *Bhaarat? Bhaarat* has now come to the end of the Iron Age. Even so, they keep searching, 'where is God'. They keep searching for God. We get knowledge only from God; knowledge means light. This is why the name '*Bhaarat'* has been given.

समय:3.55-5.27

जिज्ञासु- ये माताजी पूछ रही है बाबा। क्रिश्चियनिटी में बोलते हैं जो मर जाते हैं उसको जीव देते हैं। वो कैसे हो सकता है?

बाबा- जो मर जाते हैं उनको मिट्टी में दबा देते हैं। और हिंदुओं में जो मर जाते हैं उनको जला देते हैं।

जिज्ञासु- क्रिश्चियन जिंदा कर देते हैं। ये पूछ रही है माताजी। वो जो मर जाते हैं ना बाबा। उनको जिंदा कर देते हैं क्रिश्चियन। क्राइस्ट। जब भगवान आते हैं ना।

बाबा- भगवान की बात कहो। मनुष्य थोड़े ही जिंदा कर देते हैं।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Time: 3.55-5.27
Student: Baba, this mother is saying people following Christianity say that they bring the dead ones back to life. How can it be possible?
Baba: Those who die are buried in soil. And among Hindus those who die are cremated.
Student: Christians make the dead ones alive. This mother is asking. Baba, those who die, the Christians, Christ brings them back to life, when God comes.
Baba: Talk about God. Human beings cannot bring anyone back to life.

जिज्ञासु- वो जीसस क्राइस्ट जो मर जाते हैं उसको जिंदा कर देते हैं।
बाबा- जीसस क्राइस्ट की भी बात नहीं है मरे हुए को कोई जिंदा नहीं करता। ये तो यहाँ की बात है कि भगवान जब इस सृष्टि पर आते हैं तो क्रिश्चियनस□की ऐसी मान्यता है कि भगवान जब आएगा तो कब्र में से जो दाखिल हुए पड़े हैं। उन कब्र में से उन आत्माओं को उठाके जिंदा करेगा। ये अभी की बात है संगमयुग की बात है। भगवान जब आते हैं तो उनके आने से पहले सब कब्रदाखिल हुए पड़े हैं। माना मिट्टी में मिल गए। मिट्टी माना देहअभिमान की मिट्टी में सब मिले हुए हैं। कोई भी जिंदा नहीं है सब मुर्दे हैं। क्या? सब मुर्दे हैं। सारे ही देहअभिमान की मिट्टी में दबे हुए हैं। भगवान आकरके उनको उठाता है। जिंदा करता है, कब्र में से बाहर निकालता है।
Student: That Jesus Christ brings back to life the dead ones.
Baba: It is not even about Jesus Christ; nobody brings back the dead ones to life. It is about this time, when God comes to this world..; Christians believe that when God comes he will wake up the souls which are buried in the graves and bring them back to life. It is about the present time, i.e. the Confluence Age. When God comes…, before His arrival everyone has entered the grave. It means that they have mixed with the soil. Soil means that everyone has mixed with the soil of body consciousness. Nobody is alive; everyone is dead. What? Everyone is dead. Everyone is buried in the soil of body consciousness. God comes and uplifts them. He brings them to life; He takes them out of the grave.

समय:5.33-9.27
जिज्ञासु- बाबा, वो गज़नवी मोहम्मद जो चुराया ना। वो शिवलिंग को लूटके उसके हीरे को चुरा लिया। वो कब मिलेगा बाबा। वो मिलेगा या नहीं मिलेगा?
बाबा- क्यों नहीं मिलेगा। दुनियाँ की जो चीज जहाँ से आती है वहीं पहुँचती है।
जिज्ञासु- पहुँच जाती है। कब पहुँचेगा?
बाबा- अभी शिवबाबा विदेशी बनके पार्ट बजा रहा है कि स्वदेशी बनके पार्ट बजा रहा है?
जिज्ञासु- विदेशी।
बाबा- जब बाबा विदेशी बनके पार्ट बजा रहा है तो विदेश में हीरा होना चाहिए ना। जब स्वदेशी बनके पार्ट बजाएगा तो हीरा भी...। हीरो पार्टधारी कहाँ होगा? स्वदेश में होगा।
Time: 5.33-9.27
Student: Baba, Mohd. Gaznavi stole (*Shivling*). He looted the *Shivling* and stole its diamond. When will it be found Baba? Will it be found or not?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Baba: Why will it not be found? Everything in the world reaches the same place from where it started.
Student: It reaches. When will it reach?
Baba: Is Shivbaba playing a part in the form of a foreigner or in the form of a *swadeshi*?
Student: A foreigner (videshi).
Baba: When Baba is playing a part in the form of a foreigner, then the diamond should be abroad, shouldn't it? When He plays a part in the form of a *swadeshi*, then the diamond also.... Where will be the hero actor? He will be in *swadesh* (India).

जिज्ञासु- तो वो हीरा कौन है?

बाबा- अभी कोहीनूर हीरा कहाँ है? विदेश में है या स्वदेश में है? विदेश में है। विदेशी पार्ट बजा रहा है। विदेशी पार्ट बजा रहा है? जो विश्व का हीरो पार्टधारी है वो विदेशी है? विदेश में है?

जिज्ञासु- भारत में ही है।

बाबा- भारत में ही है। विदेशी कहाँ है?

जिज्ञासु- दक्षिण भारत में है।

बाबा- दक्षिण भारत में है उत्तर भारत में नहीं जाता?

जिज्ञासु- जाता तो है।

बाबा- जाता तो है। तो भारतवासी है या विदेशी है?

जिज्ञासु- भारतवासी है।

Student: So, who is that diamond?
Baba: Where is that Kohinoor diamond now? Is it abroad or in India? It is abroad. It is playing the part of a foreigner. Is it playing the part of a foreigner? Is the hero actor of the world a foreigner? Is he in a foreign country?
Student: He is in India only.
Baba: He is in India only. In what way is he a foreigner?
Student: He is in the south of India?
Baba: Is he in South India; does he not go to North India?
Student: He does go.
Baba: He does go. So, is he an Indian or a foreigner?
Student: Indian.

बाबा- नहीं। होने की बात नहीं है। पार्ट बजाने की बात है। अगर बाप विदेशी बनकरके न आते। जैसे विदेशी दूसरे धर्म के जो लोग हैं। वो एक शादी करते हैं, फिर तलाक देते हैं। फिर दूसरी शादी करते हैं, फिर तलाक देते हैं। फिर तीसरी शादी कर लेते हैं। एक साथ कई शादियाँ कर लेते हैं। तो उनको कहा जाता है मर्यादाहीन, विदेशी।

Baba: No. it is not about staying [somewhere] . It is about playing a part. If the Father had not come in the form of a foreigner…; for example, the foreigners, people of other religions, marry once and then divorce. Then they marry again and then divorce again. Then they marry for the third time. They marry many times. So, they are called undignified (*maryadaheen*), foreigners (*videshi*).

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

भारत का राम क्या कहा जाता है? मर्यादा पुरूषोत्तम। तो बाप अभी विदेशी बनकरके आए हैं नहीं तो तुम बच्चों से मिल भी न पाते। जो वैष्णव होते हैं ना वो अपने को बहुत पवित्र मानते हैं। किसीको छूने भी नहीं देते। तो उनको कहते हैं भारतवासी। और जो विदेशी होते हैं वो इन बातों की ध्यान नहीं रखते। कोई टच भी कर ले कोई संपर्क में आ जाए, संसर्ग में आ जाए। वो कहते हैं- ये सब कुछ नहीं। ये तो सब चलता रहता है। तो बाप इस समय विदेशी बनकर आए हैं माना?

जिज्ञासु- विदेशी पार्ट बजा रहे हैं।

बाबा- विदेशी पार्ट बजाए रहे हैं। जैसे विदेशी व्यभिचार को बुरा नहीं मानते। वैसे बाप भी अनेकों के संसर्ग, संपर्क में आता है, संबंध में आता है। तो विदेशी हुआ कि स्वदेशी हुआ? विदेशी हुआ।

What is Ram of India called? *Maryada Purushottam* (highest among all human beings in following the code of conduct). So, the Father has now come in the form of a foreigner. Otherwise, He could not have met you children. Those who are Vaishnavites consider themselves to be very pure. They do not allow anyone to touch them. So, they are called residents of India (*Bhaaratwaasis*). And those who are foreigners do not care about these things. Even if someone touches them, even if someone comes in contact with them, they say it does not matter. All this is OK. So, the Father has now come in the form of a foreigner. What does it mean?

Student: He is playing the part of a foreigner.

Baba: He is playing the part of a foreigner. Just like the foreigners do not consider adultery bad. Similarly the Father comes in contact, connection and relationship of many. So is he a foreigner or an Indian? He became a foreigner.

समय: 9.28-12.10

जिज्ञासु- बाबा, अभी मर्यादा पुरूषोत्तम राम बनता है बताया ना। लेकिन वो एक सी.डी. में मर्यादा पुरूषोत्तम सीता बनती है। ऐसे भी बताया ना।

बाबा- हाँ। हिसाब लगाओ सतयुग में 9 जन्म और त्रेता में 12 जन्म। एक जन्म स्त्री, एक जन्म पुरूष। तो सीता वाली आत्मा जो इस समय स्त्री है वो स्त्री के बाद फिर पुरूष बनेगा। फिर स्त्री, फिर पुरूष, फिर स्त्री, फिर पुरूष। तो त्रेता के पहले जन्म में क्या बनेगी? राम बनेगी। तो इसीलिए मर्यादा पुरूषोत्तम राम कह दिया। त्रेता वाले राम की बात थोड़े ही है। त्रेता वाला राम वो तो सीता वाली आत्मा है। वो तो अभी भी मर्यादा पुरूषोत्तम है। सीता वाली आत्मा मर्यादा पुरूषोत्तम है या शिव बाप जिस मुकर्रर रथ में प्रवेश करता है वो मर्यादा पुरूषोत्तम है?

जिज्ञासु- शिव बाप जिस मुकर्रर रथ में प्रवेश किया वो मर्यादा पुरूषोत्तम है।

बाबा- वो मर्यादा पुरूषोत्तम है? मर्यादा माना एक में मर्यादा। एक स्त्रीव्रतधारी। तो जो सीता का पार्ट है अव्वल नंबर सीता। वैष्णवी का पार्ट है। वो मर्यादा पुरूषोत्तम है। एक के साथ संग। अनेकों के साथ संग में नहीं आ सकती। टच भी नहीं कर सकती।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Time: 9.28-12.10
Student: Baba, it was said now that Ram becomes *Maryada Purushottam* wasn't it? But it has also been said in a CD that Sita becomes *Maryada Purushottam.*
Baba: Yes. Calculate. 9 births in the Golden Age and 12 births in the Silver Age; one birth as a female and one birth as a male; so, the soul of Sita which is now a female will become male (in the next birth). Then female, then male, then female, then male. So, what will she become in the first birth of the Silver Age? She will become Ram. So, this is why it has been said *Maryada Purushottam* Ram. It is not about the Silver Age Ram. The (role of) Silver Age Ram is (played by) the soul of Sita. She is *Marayada Purushottam* even now. Is the soul of Sita *Maryada Purushottam* or is the permanent chariot in which Father Shiv enters *Maryada Purushottam*?
Student: The permanent chariot in which Father Shiv enters is *Maryada Purushottam*.
Baba: Is he *Maryada Purushottam*? *Maryada* means faith in one. Someone who is loyal to his wife. So, the part of Sita, the number one Sita, the part of Vaishnavi is *Maryada Purushottam*. There is company of one. She cannot come in the company of many. She cannot even touch [any others].

जिज्ञासु- तो वो तो त्रेता में राम बनेगी ना।
बाबा- त्रेता में राम बनेगी।
जिज्ञासु- तो अभी तो उसका नाम राम नहीं है ना।
बाबा- अभी वो पार्ट तो बजा रही है मर्यादा पुरूषोत्तम का। शास्त्रों में जो यादगार है मर्यादा पुरूषोत्तमपने की वो किसकी यादगार है? उसीकी यादगार है। शिव बाप जिसमें प्रवेश करता है वो अगर मर्यादा पुरूषोत्तम बन जाए। तो पतितों का पावन बनाना कैसे होगा। संग के रंग से ही दुनियाँ पतित बनती है। संग के रंग से ही दुनियाँ पतित से पावन बनती है। अनेकों के संग के रंग से पतित बनती है और एक के संग के रंग से पावन बनती है।
जिज्ञासु- ये माताजी पूछती है कि सीता के जैसा कोई नहीं आ सकता क्या?
बाबा- अरे! कोई भी 500-700 करोड़ पार्टधारी हैं। उनमें से एक भी पार्टधारी ऐसा निकाल दो जिसके जैसा दूसरा कोई पार्ट बजाने वाला हो। (किसी ने कुछ कहा)
बाबा- तो वेराईटी झाड़ है। वेराईटी झाड़ में एक न मिले दूसरे से। एक का पार्ट दूसरे से मिल ही नहीं सकता।
Student: So, she will become Ram in the Silver Age, will she not?
Baba: She will become Ram in the Silver Age.
Student: So, now her name is not Ram, is it?
Baba: Now she is playing that part of *Maryada Purushottam*. The memorial in the scriptures about the *Maryada Purushottam* is of whom? It is her memorial. If the one in whom Father Shiv enters becomes *Maryada Purushottam*, then how will He make the sinful ones pure? The world becomes sinful only through the colour of the company. The world is transformed from sinful to pure only through the colour of the company. It becomes sinful in the company of many and it becomes pure through the company of the One.
Student: This mother asks, can't there emerge anyone who is like Sita?
Baba: Arey! Take any actor among the 5 to 7 billion souls. Among them, show me just a single actor who plays a part like another. (Someone said something).

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Baba: So, it is a variety tree. In the variety tree, one [person] does not match with another. The part of one person cannot match with another.

समय: 14.30-17.25

जिज्ञासु- बाबा, शिवबाबा तो करनहार नहीं है।

बाबा- शिवबाबा करनहार नहीं है ऐसे नहीं कहेंगे। शिवबाबा करनहार भी है करावनहार भी है। शिवबाप करनहार नहीं है।

जिज्ञासु- नहीं। मगर वो ब्रह्मा के द्वारा करता है ना वो।

बाबा- वो करनहार।

जिज्ञासु- हाँ। करनहार है।

बाबा- ब्रह्मा के द्वारा करनहार है।

जिज्ञासु- तो करने वाला कौन है?

बाबा- करनहार। करके दिखाया उन्होंने। बच्चों से आशा नहीं की। कि बच्चें भी अच्छा काम करके दिखायें। बच्चे चाहे जैसे चाहे जो कुछ करें; लेकिन बाबा ने बच्चों को नहीं देखा। बाबा का लक्ष्य था हम करके दिखावें। उसको कहते हैं गुणग्राही। माना ये जो पार्ट है ना। ब्रह्मा द्वारा करनहार फिर जो अगला पार्ट बजाते हैं। वो करें या न करें।

Time: 14.30-17.25
Student: Baba, Shivbaba is not the one who performs [an action] (*karanhaar*).
Baba: It cannot be said that Shivbaba is not *karanhaar*. Shivbaba is a *karanhaar* as well as *karaavanhaar* (the one who makes the other do the task). Father Shiv is not *karanhaar* .
Student: No. But He performs the tasks through Brahma, doesn't He?
Baba: He is *karanhar*.
Student: Yes. He is *Karanahar*.
Baba: He is karanhar through Brahma.
Student: So, who is the one who performs the task?
Baba: *Karanhar*. Brahma set an example. He did not expect from the children that the children should also set an example of noble deeds. Children may do whatever they want, but Baba did not see the children. Baba's aim was that he should do and show. That is called absorbing virtues. It means that this part…; *Karanhar* through Brahma; then the next part that He plays; he may do or not;

जिज्ञासु- बच्चों से करवाते हैं।

बाबा- हाँ। कि कोई उसको पकड़े- आप ऐसा क्यों नहीं करते। तो वो करावनहार का पार्ट है। ये ज़रूरी नहीं है खुद करे या न करे। इसीलिए भक्तिमार्ग में गायन चलता है। कि गुरू जो कुछ करता है सो नहीं करना है; लेकिन गुरू जो कहता है सो करना है। तो शिवबाबा का जो पार्ट है सदगुरू का वो एक ऐसा ही पार्ट है। वो करावनहार का पार्ट है। करनहार का पार्ट नहीं है। लेकिन ब्रह्मा के द्वारा जो पार्ट बजाया वो करावनहार नहीं है। करनहार है। करके दिखाया। बच्चे करें या न करें।

जिज्ञासु- वो किसने किया शिव ने किया या ब्रह्मा ने किया?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

बाबा- शिव की ही तो बात हो रही है। करन-करावनहार कौन है? शिवबाबा। शिव नहीं। शिव बिंदी का नाम है। शिवबाप जब कहेंगे तो कहेंगे बिंदी। और शिवबाबा कहेंगे....। बाबा माना साकार और शिव माना निराकार। निराकार और साकार का मेल माना शिवबाबा।

Student: He makes the children do the task.
Baba: Yes. [It is not so that] someone may catch him, 'why don't you do like this?' So, that is the part of *karaavanhaar*. It is not necessary that He Himself does or doesn't do. This is why it is famous in the path of *bhakti* that we should not do whatever the Guru does. But we should do whatever the Guru says. So, Shivbaba's part of Sadguru is such a part. It is the part of karavanhar. It is not the part of *karanhar*. But the part that was played through Brahma is not of *karavanhar*. It is of *karanhar*. He set an example, even if the children do or don't do.
Student: Who did that – was it Shiv or Brahma?
Baba: We are talking about Shiv only. Who is the *karan-karavanhar*? Shivbaba. Not Shiv. Shiv is the name of a point (soul). When we say Father Shiv it is a point. And when we say Shivbaba…. Baba means corporeal and Shiv means incorporeal. The combination of the incorporeal one and the corporeal one means Shivbaba.

समय- 17.27-18.25

जिज्ञासु- बाबा, वाणी में बाबा बोलते हैं ज्ञानी तू आत्मा मुझे बहुत प्रिय है बोलते हैं। लेकिन योगी तू आत्मा मुझे बहुत प्रिय है क्यों नहीं बोलते?

बाबा- क्योंकि जिसको ज्ञान होगा वही तो याद करेगा। बाप कहते हैं दुनियाँ में लोग तो बहुत हैं जो भगवान-2, गॉड फादर-2, अल्लाह-2 करते हैं। लेकिन तुम बच्चे मेरेको पहचानते हो। ये शिफ्त दुनियाँ वालों में नहीं है। तुम्हारे अंदर ये शिफ्त है ये विशेषता मैं तुम में देखता हूँ। और कोई गुण देखता हूँ या नहीं देखता हूँ। कौनसा गुण देखता हूँ? तुम ने बाप को जाना है। जाना है माना ज्ञान है। इसीलिए ज्ञानी बच्चों को मैं प्यार करता हूँ। ज्ञानी मुझे प्रिय लगते हैं। जिन्होंने जाना ही नहीं वो याद क्या करेंगे। इसीलिए बोला है ज्ञानी तू आत्मायें मुझे विशेष प्रिय हैं।

Time: 17.27-18.25
Student: Baba, Baba says in the *vani* that He likes the knowledgeable souls (*gyani tu aatma*) a lot. But why does He not say, 'I like the yogi souls a lot'?
Baba: It is because only the one who has knowledge will remember. The Father says, 'There are many people in the world who keep uttering *Bhagwaan-Bhagwaan*, *God Father-God Father*, *Allah-Allah'*. But **you** children recognize Me. People of the world do not have this quality. You have this quality. I see this specialty in you. I may or may not see the other qualities; which virtue do I see (in you)? You know the Father. You know Him; it means that you have knowledge. This is why I love the knowledgeable children. I like the knowledgeable ones. Will those who do not know (Me) remember? This is why it has been said, 'I especially like the knowledgeable souls'.

समय: 18.28-20.18

जिज्ञासु- बाबा, कल ये भाई क्वेश्चन था। कि मुस्लिम गुरू लोग है ना वो मिलिट्री को रखते हैं। विनाश कार्य ज्यादा करते हैं ना। इसका बेहद का अर्थ क्या है बाबा।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

बाबा- जो मुसलमान गुरू लोग होते हैं।

जिज्ञासु- वो तो मिलिट्री को रखते हैं ना। मिलिट्री रखके वो बहुत विनाश कार्य करते हैं ना।

बाबा- हाँ। वो एक तरह से बादशाह बनकरके बैठते हैं। बादशाह के पास तो मिलिट्री होती है ना। फोर्स होता है ना। तो वो यादगार कहाँ की है?

जिज्ञासु- नहीं दूसरे कोई नहीं रखते; लेकिन वो ही मिलिट्री को रखते हैं इतना ज्यादा काम कराते हैं।

बाबा- यहाँ की यादगार है।

जिज्ञासु- संगमयुग की।

Time: 18.28-20.18

Student: Baba, yesterday this brother was asking a question. The Muslim gurus keep military. They perform the destructive tasks more, don't they? What does it mean in an unlimited sense Baba?

Baba: The Muslim gurus.

Student: They keep military, don't they? They perform a lot of destructive tasks with the help of their military, don't they?

Baba: Yes. They sit like emperors. Emperors have military, don't they? They have a (military) force, don't they? So, it is a memorial of what?

Student: Others don't keep (military), but only they (i.e. the Muslim gurus) maintain military; they make them to perform so many tasks.

Baba: It is a memorial of this time.

Student: Of the Confluence Age.

बाबा- संगमयुग में। संगमयुग में भी तुम बच्चे रूहानी मिलिट्री हो। कैसे? रूहानी मिलिट्री। ऐसी वैसी मिलिट्री रूहानी नहीं। अंडरग्राउन्ड रूहानी मिलिट्री। जैसे कलकत्ते में अंडरग्राउन्ड मिलिट्री रहती है। ऊपर से पता ही नहीं चलता खेती होती है। लोग आते हैं, जाते हैं, बैठते हैं, मकान बनाते हैं, कोई पता ही नहीं लगता। और अंदर? अंदर मिलिट्री भरी पड़ी है। तो ऐसे ही तुम बच्चे हो अंडरग्राउन्ड रूहानी मिलिट्री। वेल नोन बट अन्नोन (well known but unknown)। दुनियाँ तुमको नहीं जानती। लेकिन तुम बहुत विश्व विख्यात मिलिट्री हो। और मिलिट्री कैसी? जब सदगुरू का पार्ट डिक्लेयर होता है। तब वो मिलिट्री निकल पड़ती है। अभी गुप्त है। तो मुसलामनों में भी ऐसे होता है मिलिट्री रखते हैं।

Baba: In the Confluence Age. Even in the Confluence Age, you children are a spiritual military. How? Spiritual military. Not an ordinary spiritual military. Underground spiritual military. For example, there is an underground spiritual military in Calcutta. You cannot guess from above; there is farming going on (on the surface). People come and go; they sit; they build houses. Nobody knows at all. And inside? Inside (i.e. under the ground) there is military. So, similarly, you children are an underground spiritual military. Well known but unknown. The world does not know you. But you are a very world-famous military. And what kind of a military it is? When the part of Sadguru is declared. Then that military emerges. Now it is hidden. So, even among the Muslims, it happens like this. They maintain a military.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

समय:20.25-21.20

जिज्ञासु- अभी बाप के सन्मुख बैठे हैं भाषा नहीं जानते वो भी हिसाब-किताब है क्या?

बाबा- भाषा मुख की चीज है कान से सुनने की चीज है। लेकिन वायब्रेशन तो जिसको कान नहीं है वो भी कैच करता है। जिसको मुख नहीं, जीभ नहीं है। जीभ नहीं बोलती वो भी वायब्रेशन कैच कर लेता है। कान नहीं है, मुख नहीं है तो क्या हुआ आँख तो है। आँख है कि नहीं? तो आँख से तो वायब्रेशन कैच हो रहे हैं ना। अपना पराया आँख भी तो समझती है ना। स्नेह और ईर्ष्या की दृष्टि आँख पहचान लेती है ना। तो ये हिसाब-किताब नहीं हुआ?

Time: 20.25-21.20

Student: Some people are sitting in front of the Father now, but they do not know the language. Is that also a karmic account?

Baba: Language is related to the mouth; it is something to be heard through the ears. But vibrations are received even by a person who does not have ears, does not have a mouth, the one who does not have a tongue. Even the one whose tongue does not speak can catch vibrations. There may not be ears; there may not be mouth; so what? There are the eyes; are there eyes or not? So, the eyes are catching the vibrations, aren't they? Even the eyes understand who is a (well wisher) and who is not, don't they? The eyes recognize the vision of love and jealousy, don't they? So, is this not a karmic account?

समय:22.33-24.45

जिज्ञासु- तमिल लोगों का न्यू इयर अलग होता है। फिर तेलगु वालों का न्यू इयर अलग रहता है। फिर अभी जनवरी फर्स्ट आया ना ये न्यू इयर सभी मनाते हैं ना बाबा, ऐसा क्यों?

बाबा- क्योंकि आज की जो दुनियाँ है, उसमें संख्या संसार में कौनसे धर्मवालों की ज्यादा है? क्रिश्चियनस की संख्या ज्यादा है। सारी दुनियाँ में क्रिश्चियनस फैले हुए हैं। एक टाईम ऐसा भी था कि क्रिश्चियनस का राज्य सारी दुनियाँ में कहीं सूरज डूबता ही नहीं था। इतना क्रिश्चियनस का राज्य फैला हुआ था। तब से ये प्रभाव हो गया यथा राजा तथा प्रजा। सारी दुनियाँ ने उस संवत को अपनाय लिया। कौनसा संवत? क्रिश्चियनस संवत। तमिलियन संवत सिर्फ तमिलनाडु में ही है। तेलगु संवत सिर्फ आंध्रा में ही है।

Time: 22.33-24.45

Student: The new year of Tamilians is separate. Then the new year of Telugu speakers is different. Then recently we celebrated the first January; everyone celebrates this New Year, don't they Baba? Why is it so?

Baba: It is because in today's world; which religion has maximum population? Christians are more in number. Christians are spread all over the world. There was one such time also when the Sun did not used to set in the kingdom of Christians in the entire world. The rule of Christians was so widespread. From that time this tradition began; as the king, so are the subjects. The entire world adopted that calendar. Which calendar? Christian calendar. The Tamilian calendar is popular only in Tamil Nadu. The Telugu calendar is used only in Andhra.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासु- नहीं बाबा। तेलगु युगादि मनाते हैं ना।

बाबा- वो ही आंध्र प्रदेश वाले ही तो मनाते हैं मोस्टली। लेकिन विक्रम संवत जो है.....।

जिज्ञासु- नहीं बाबा जहाँ तेलगु वाले हैं वही मनाते हैं।

बाबा- हाँ। वही बात-2। और विक्रम संवत जो है वो सिर्फ विक्रमादित्य के शासन से ही चला।

जिज्ञासु- विक्रम संवत सभी लोग...।

बाबा- विक्रम संवत हिंदू लोग ही मानते हैं।

Student: No Baba. Telugu *Yugadi* (new year) is celebrated, isn't it?
Baba: It is only the people of Andhra Pradesh (a state in South India) who celebrate it mostly. But the Vikram calendar….
Student: No Baba, it is celebrated only by the Telugu people.
Baba: Yes. The same thing. And the Vikram calendar began from the rule of (King) Vikramaditya.
Student: All the people believe in the Vikram Calendar…
Baba: Only the Hindus believe in the Vikram calendar…

जिज्ञासु- वो कब हुआ?

बाबा- जब से विक्रमादित्य हुआ उसके बाद से विक्रम संवत शुरू हुआ। तो वो हिंदू लोग ही मनाते हैं। लेकिन क्रिश्चियनस संवत सारी दुनियाँ मनाती है। क्यों? कोई ऐसा टाईम हुआ है कि जब क्रिश्चियनस का सारी दुनियाँ में प्रभाव हो गया। अभी भी क्रिश्चियनस की जनसंख्या सबसे जास्ती है। अभी दुनियाँ में सबसे जास्ती जनसंख्या किसकी है, पापुलेशन? क्रिश्चियनस की। इसीलिए बाबा भी कहते हैं। अंग्रेजी इंटरनेशनल लेंग्वेज है। जो इंटरनेशनल लेंग्वेज है वो माननी चाहिए। सारी दुनियाँ वो भाषा फैली हुई है उस भाषा को हम तिरस्कार कर देंगे, छोड़ देंगे। तो बाबा का ज्ञान सारी दुनियाँ में फैलेगा नहीं। इसीलिए बाबा भी प्रेफरेंस देते हैं इंग्लिश को।

Student: When was it?
Baba: The Vikram calendar started from the time of Vikramaditya. So, only the Hindus celebrate that (New Year). But the entire world celebrates the Christian calendar. Why? There was a time when the entire world was under the influence of the Christians. Even now the population of the Christians is the maximum. Whose population is maximum now in the world? The Christians. This is why Baba also says, English is the international language. We have to accept the international language. That language is spread all over the world. If we ignore that language, if we leave it out, then Baba's knowledge will not spread in the entire world. This is why Baba Himself gives preference to English.

……

Note: The words in italics are Hindi words. Some words have been added in the brackets by the translator for better understanding of the translation.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info